छूकर चरण जा रहे हैं

साएमा
छात्रा – आलयन्स विश्वविद्यालय

सर कटाने समर में, माँ देखो लाख तेरे ललन जा रहे हैं
जिंदगी गर रही फिर मिलेंगे, वरना छूकर चरण जा रहे हैं।
मिट्टी चन्दन है मेरे वतन की हम तो इसकी हिफ़ाजत करेंगे
जो शहादत शहीदों ने दी है हम भी अपने वतन पर मिटेंगे।
ये शहादत हमें है बुलाती, सुन लो मेरे वतन आ रहे हैं,
जिंदगी गर रही फिर मिलेंगे, वरना छूकर चरण जा रहे हैं।

हो न हों हम वतन है तुम्हारा, इसको देना सदा तुम सहारा
दाग दामन पर लगने न पाए, है कसम तुमको भारत हमारा।
दुश्मनों को मिटाने चले हम, बांध सर पर कफ़न जा रहे हैं,
जिंदगी गर रही फिर मिलेंगे, वरना छूकर चरण जा रहे हैं।

ये तिरंगा है प्राणों से प्यारा, इसने जब भी हमें है पुकारा
मर मिटेंगे बचाने की खातिर, फिर से जनम हम लेंगे दुबारा।
ये तिरंगा बचाने चले हम, करने अपना करम जा रहे हैं
जिंदगी गर रही फिर मिलेंगे,वरना छूकर चरण जा रहे हैं।